संप्रेषण के प्रकार
Types of Communication

चैनल के आधार पर सम्प्रेषण का वर्गीकरण
Communication types on the Basis of Channels

चैनल के आधार पर संप्रेषण दो प्रकार के होते है:

1- शाब्दिक संप्रेषण Verbal Communication
- ⇒ मौखिक संप्रेषण Oral Communication
- = लिखित संप्रेषण

2 अशाब्दिक सम्प्रेषण Non verbal Communication

1 शाब्दिक सम्प्रेषण Verbal communication -

— शाब्दिक का अर्थ है - शब्दो का प्रयोग करना। शाब्दिक सम्प्रेषण में संदेश शाब्दिक रूप में उच्चारित किया जाता है इस

Notes :

Date . . .

संप्रेषण में सदैव भाषा का प्रयोग किया जाता है। यह मौखिक और लिखित, दोनो तरह से हो सकता है।

इस प्रकार के संवाद में सबसे बड़ा जोखिम किसी शब्द को स्वेच्छित अर्थ देने का होता है, फिर शब्दो का अर्थ देश और काल के अनुसार परिवर्तित भी हो सकता है। समान्यता शब्द ऐसी कोई घटना नहीं होते जिनको हर बार रिकार्ड रखा जाए। शाब्दिक सम्प्रेषण को पुनः दो प्रकार के संप्रेषण में वर्गीकृत किया जा सकता है।

- मौखिक संप्रेषण
- लिखित संप्रेषण

⇒ **मौखिक संप्रेषण** (Oral communication) इसमें मौखिक रूप से वाणी द्वारा विचारो एवं सूचनाओं का आदान - प्रदान किया जाता है। इस संप्रेषण मे प्रेषक और प्राप्तकर्ता दोनो आमने सामने रहते है। मौखिक संप्रेषण मे प्रत्यक्ष वार्तालाप, टेलीफोन के माध्यम से वार्तालाप, भाषण, परिचर्चा, सामूहिक चर्चा, वीडियो, रेडियो, टीवी आदि को सम्मिलित किया जाता है।

मौखिक संप्रेषण के मुख्य लाभ (Advantages of Oral Communication)

i- मौखिक संप्रेषण सहज और स्वाभाविक होता है।

(ii) यह दूसरो को समझाने के लिए सरल होता है।
(iii) इस संप्रेषण में आमतौर पर शब्दो का चयन श्रोताओं के अनुकूल होता है।
(iv) आमने सामने संवाद से कम त्रुटियाँ होती है
(v) तेज गति से संदेश का आदान-प्रदान होने से समय की बचत
(vi) मौखिक होना मितव्ययी होता है।
(vii) गोपनीयता बनी रहती है।
(viii) शारीरिक हाव-भाव के साथ प्रभावपूर्ण संप्रेषण होता है
(ix) भौतिक संसाधनो की आवश्यकता नही जैसे कागज इ० आदि
(x) तीव्र होने से आपातकालीन परिस्थितियों में अत्यन्त उपयोगी
(xi) एक साथ कई लोगो के साथ संप्रेषण
(xii) तुरन्त प्रतिपुष्टि

मौखिक संप्रेषण की सीमाएं (Limitations of oral communication)

(i) मौखिक संप्रेषण मे शब्द लिखित संप्रेषण की तरह स्थाई नही होते है।
(ii) सुने हुए शब्दो को याद रख पाना कठिन कार्य है। इस बात की संभावना लम्बे संदेश मे अधिक होती है।
(iii) मौखिक संप्रेषण को अन्य संस्कृतियो के लोगो

Scanned with CamScanner

द्वारा नहीं समझा जा सकता है।

(iv) लिखित संप्रेषण की तुलना में मौखिक संप्रेषण की विश्वसनीयता मान्यता कम होती है।

(v) मौखिक संप्रेषण का प्रयोग का क्षेत्र सीमित है।

लिखित संप्रेषण Written Communication

- लिखित संप्रेषण में लिखे हुए संकेत और प्रतीक, जैसे मुद्रित या हस्तलिखित रूप में उपयोग किए जाते हैं। लिखित संप्रेषण से तात्पर्य ऐसी सूचनाओं से है, जो शब्दों में तो होती है लेकिन लेकिन उसका स्वरूप मौखिक न होकर लिखित होती है। संदेशवाहक के लेखन कौशल, शैली, और ज्ञान एवं व्याकरण संदेश की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं। लिखित संप्रेषण में, संदेश ई-मेल, पत्र, रिपोर्ट, ज्ञापन आदि के माध्यम से प्रेषित किया जा सकता है। लिखित संप्रेषण माध्यमों का उपयोग विभिन्न सरकारी, गैर सरकारी संस्थाओं में सूचनाओं के आदान प्रदान के लिए किया जाता है।

लिखित संप्रेषण के लाभ (Advantages of Written communication)

1- इस संप्रेषण में संदेश भेजने से पहले कई बार संपादित और संशोधित किया जा सकता है, जिससे संदेश में त्रुटि की संभावना कम से

Notes

कम रहती है।

(ii) लिखित संप्रेषण प्रत्येक भेजे गए संदेश का एक स्वचालित रिकार्ड प्रदान करता है, जिसका भविष्य में साक्ष्य और संदर्भ के रूप में प्रस्तुतिकरण संभव है।

(iii) लिखित संप्रेषण में प्रेषक और प्राप्तकर्ता की एक साथ उपस्थिति अनिवार्य नहीं होती है।

(iv) लिखित संप्रेषण मे प्राप्तकर्ता संदेश को सही तरह से समझने और उचित प्रतिपुष्टि देने के लिए अधिक सक्षम होता है।

(v) कम लागत में स्पष्ट और विस्तृत जानकारी

लिखित संप्रेषण की सीमाएँ (Limitations of Written communication)

(i) इस संप्रेषण मे सहज संप्रेषण की संभावना मौखिक संप्रेषण से कम होती है।

(ii) यह अगर औपचारिक हो तो इसमे काफी समय लग सकता है।

(iii) मौखिक संप्रेषण की तुलना मे अधिक जटिल

(iv) अलग अलग प्राप्तकर्ताओ द्वारा अलग अलग व्याख्या संभव

2- अशाब्दिक संप्रेषण (Non verbal communication) — अशाब्दिक संप्रेषण

Scanned with CamScanner

Notes Date

के अंतर्गत विचारों व भावनाओं को शब्दों में व्यक्त करना संभव नहीं होता है तब, अशाब्दिक संप्रेषण ही सबसे प्रभावी माध्यम होता है। आवाज का उतार-चढ़ाव, शारीरिक मुद्रा, मुख मुद्राएँ, चक्षु-संपर्क, स्पर्श, वाणी संकेत आदि अशाब्दिक संप्रेषण के अलग अलग रूपान्तर है।

(i) शारीरिक मुद्रा (Body Language) :- उदाहरण के लिए, हाथ हिलाना, हाथों से संकेत करना, मुंह हिलाना, इधर उधर चलना।

(ii) वेशभूषा (Appearance) - वेशभूषा से सामने वाले की मनःस्थिति का पता चलता है। इसका संदेश अर्थ संस्कृति, व्यक्ति के व्यवहार, विचार, पृष्ठभूमि पर निर्भर करता है।

(iii) स्पर्श (Touch) - स्नेहवश किसी के गाल को थपथपाना, पुरुष की घड़ी से किसी के सिर या कंधे पर हाथ रखना व बांह पकड़ना, दोस्तों से हाथ मिलाना इत्यादि अमौखिक संप्रेषण है।

Scanned with CamScanner